बिहार विधान परिषद्

185वां सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग – 2

09 फाल्गुन, 1938 (श.)

मंगलवार, तिथि ----------

28 फरवरी, 2017 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 17

1.	स्वास्थ्य विभाग	....	....	10
2.	विधि विभाग	....	....	01
3.	लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग	....	....	01
4.	ऊर्जा विभाग	....	....	03
5.	अल्पसंख्यक कल्याण विभाग	....	....	01
6.	उद्योग विभाग	....	....	01

			कुल योग –	**17**

कार्रवाई करने पर विचार

* 19. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत वर्ष 2010-11 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना चालू की गई थी, इस योजनान्तर्गत बिना कारण महिलाओं एवं नव विवाहितों के गर्भाशय का ऑपरेशन किया गया;

(ख) क्या यह सही है कि मोतिहारी शहर सहित 27 प्रखंडों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा से जुड़े नर्सिंग होम में लगभग 600 मरीजों की सूची जारी कर गर्भाशय के ऑपरेशन को गलत साबित एवं गलत ढंग से किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पूर्वी चम्पारण जिले में नव विवाहित महिलाओं के पेड़ू दर्द की शिकायत पर गर्भाशय का ऑपरेशन कर निकाल दिया तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना कंपनियों द्वारा गलत ढंग से अवैध वसूली कर गलत नर्सिंग होम के संचालकों पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

उपस्थिति अनिवार्य

* 20. **श्री सुमन कुमार** : क्या मंत्री, विधि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सरकार द्वारा लोक शिकायत-निवारण कार्यालय राज्य के सभी जिलों में स्थापित किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला में भी लोक शिकायत निवारण कार्यालय है और उसमें आमजन अपनी-अपनी शिकायत दर्ज कराने हेतु दूर-दराज से आते हैं;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कर कार्यालय द्वारा पावती से निश्चित दिन, स्थान और समय पर सुनवाई हेतु आते हैं लेकिन शिकायत से संबंधित पदाधिकारी कई तिथियों तक उपस्थित नहीं होते हैं और सुनवाई को बार-बार अगली तिथि के लिए बढ़ा दिया जाता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार मधुबनी जिला लोक शिकायत निवारण कार्यालय में शिकायत से संबंधित पदाधिकारियों/कर्मचारियों की उपस्थिति ससमय अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराने का विचार रखती है?

नियमित वेतन का भुगतान

***** 21. **डा. उपेन्द्र प्रसाद** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, डोभी, गया में कार्यरत कर्मचारियों को माह सितम्बर, 16 एवं अक्टूबर, 2016 का नियमित वेतन रोककर एक कर्मी के ए.सी.पी. के बकाये वेतन का भुगतान किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रा. स्वा. केन्द्र, डोभी (गया) ने पत्रांक-494, दिनांक - 19.11.16 के द्वारा असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, गया को इस संबंध में पत्र लिखा है, परन्तु कार्रवाई नहीं की गयी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो नियमित वेतन को रोक कर बकाया वेतन देने वाले दोषी पदाधिकारी-कर्मचारी पर कार्रवाई करते हुए कर्मियों को नियमित वेतन भुगतान की कार्रवाई सरकार करेगी, यदि हां तो कबतक ?

बेड का निर्माण

***** 22. **श्री मंगल पांडेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि सरकार ने नौ वर्ष पूर्व आबादी के अनुरूप बेहतर इलाज के लिए पी.एच.सी. को छह बेड से 30 बेड में तब्दील करने की योजना को स्वीकृति दी थी;

(ख) क्या यह सही है कि प्रथम चरण में 534 पी.एच.सी. में 414 पी.एच.सी. में बेड बढ़ाने की रणनीति बनायी गयी थी जिसमें 239 पी.एच.सी. में बेडों की संख्या बढ़ाने के लिए कार्य प्रारंभ किया गया था जिसमें 167 पी.एच.सी. में ही 30 बेड तब्दील हुए;

(ग) क्या यह सही है कि राशि की खंड-खंड स्वीकृति के कारण इतनी महत्वपूर्ण योजना जो मुख्य रूप से जनता से जुड़ी हुई है, उससे गरीब जनता को फायदा होना है, उस पर ग्रहण लग गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो इतनी महत्वपूर्ण योजनाओं जो अनुमंडल अस्पतालों का निर्माण एवं पी.एच.सी. में बेडों की संख्या बढ़ाने के लिए हैं, में अविलंब राशि उपलब्ध कराकर सरकार शीघ्र बेड का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

ठोस कदम उठाने पर विचार

***** 23. **श्री आदित्य नारायण पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मेडिकल कौंसिल ऑफ इंडिया के गाइड लाइन के अनुसार एम.बी.बी.एस. की डिग्री ग्रामीण प्रशिक्षण किये जाने के बाद दिए जाने का प्रावधान है;

(ख) क्या यह सही है कि तीसरे सेमेस्टर से लेकर सातवें सेमेस्टर तक एम.बी.बी.एस. छात्रों को ग्रामीण प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रशिक्षण जाकर करना होता है, जिसमें पानी की जांच, एचआईवी एड्स की पहचान, दूध के शुद्धिकरण की जांच-पड़ताल करना होता है;

(ग) क्या यह सही है कि जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा कॉलेज, भागलपुर द्वारा एम.बी.बी.एस. की डिग्री बिना ग्रामीण प्रशिक्षण के दी जा रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो राज्य सरकार कबतक जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा कॉलेज के एम.बी.बी.एस. छात्रों को ग्रामीण प्रशिक्षण के बाद डिग्री उपलब्ध कराने का कार्य करेगी एवं इसके अनुपालन हेतु कॉलेज के प्रबंधन के सुधार हेतु सरकार कौन-सा ठोस कदम उठा रही है?

जांच कर कार्रवाई करने पर विचार

***** 24. **श्री लाल बाबू प्रसाद** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार राज्य में दिल्ली के कारोबारी हिमाचल में नकली दवा बनाते हैं फिर पटना में उसकी सप्लाई की जाती है;

(ख) क्या यह सही है कि नकली दवाएं जानलेवा हैं इससे किडनी, लिवर, फेफड़ा डैमेज हो जाते हैं दवाओं की पहचान समान्य व्यक्ति नहीं कर पाते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार नकली दवाओं के निर्माता एवं विक्रेताओं पर कार्रवाई करते हुए संलिप्त पदाधिकारियों की मिलीभगत की जांच कर कार्रवाई करना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों ?

चापाकलों का जीर्णोद्धार

***** 25. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि सरकार ने राज्य के बाढ़ प्रभावित 12 जिलों के लगभग 40 हजार चापाकल दुरुस्त कराने का फैसला लिया है;

(ख) क्या यह सही है कि इसके लिए मोबाइल गैंग को लगाया गया है जिसका काम चापाकल को तुरंत चालू करके क्षतिग्रस्त प्लेटफार्म एवं ड्रेन की मरम्मती करना है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बताएगी कि अभी तक कितने चापाकलों का जीर्णोद्धार किया गया है ?

बिजली की व्यवस्था

***** 26. **डा. दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बेगूसराय जिलान्तर्गत बछवाड़ा के चमथा दियारे के कई गांवों, यथा- बसुलिया टोला, पंचखूंटी, गोपालपुर सहित दादूपुर पंचायत के भगवानपुर उसराही दियारे के लोग आज भी लालटेन युग में जीने को विवश हैं;

(ख) क्या यह सही है कि विगत तीन साल पहले गांव में बिजली पहुंचाने हेतु पोल गाड़ा गया था, लेकिन अभी तक इस पोल में बिजली का तार नहीं लगाया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार बेगूसराय जिलान्तर्गत बछवाड़ा के चमथा दियारे के कई गांवों, यथा- बसुलिया टोल, पंचवटी, गोपालपुर सहित दादूपुर पंचायत के भगवानपुर उसराही दियारे में बिजली पहुंचाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

त्वरित कार्रवाई

***** 27. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना के अगमकुआं स्थित राज्य की इकलौती औषधि जांच प्रयोगशाला में एनालिस्ट नहीं रहने से दवा की गुणवत्ता की जांच बंद हो गई है जिससे राज्य में नकली और सब-स्टैंडर्ड दवाओं का बाजार तेजी से फल-फूल रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि विगत चार माह पूर्व औषधि विभाग के ड्रग इंस्पेक्टरों द्वारा गोविन्द मित्रा न्यू मार्केट सहित दवा दुकानों पर छापेमारी कर कई तरह की अवैध और नकली दवाइयां पकड़ी गई थीं, किन्तु औषधि जांच प्रयोगशाला में सरकारी एनालिस्ट नहीं रहने के कारण दवाओं की जांच का काम नहीं हो पा रहा है, फिर भी विभाग मौन है;

(ग) क्या यह सही है कि ड्रग कॉस्मेटिक ऐक्ट 1940 के अनुसार दवाओं की जांच और रिपोर्ट सरकारी अधिकारी और कर्मचारी ही कर सकते हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्थिति में एनालिस्ट की नियुक्ति सुनिश्चित करने और नकली दवाओं की बिक्री पर अंकुश लगाने तथा छापेमारी में पकड़े गये दुकानों की दवाओं की जांच कराकर दोषियों पर त्वरित कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

दण्डात्मक कार्रवाई

***** 28. **श्री गुलाम रसूल** : क्या मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) एम.एस.डी.पी योजनान्तर्गत विभिन्न प्रखंडों में कुल कितनी योजनाएं लंबित हैं तथा कितनी राशि अबतक सरेंडर की गई है;

(ख) योजनाएं लम्बे समय तक कार्यान्वित नहीं हो पाने तथा योजना राशि सरेंडर किए जाने के लिए जिम्मेवार कौन है;

(ग) योजना में विलंब करने वाले जिम्मेवार पदाधिकारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करने तथा योजनाओं को त्वरित गति से लागू करने हेतु सरकार क्या प्रयास कर रही है ?

शोषण से मुक्ति

***** 29. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला में विद्युत सप्लाई एवं रेवेन्यू कलेक्शन का जिम्मा इंडिया पावर कॉरपॉरेशन लिमिटेड को दिया गया है परन्तु कार्य निष्पादन इंडिया पावर कॉरपॉरेशन (बोधगया) लिमिटेड कर रही है जिसकी पूंजी मात्र 10 लाख है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त कंपनी के Balance Sheet के अनुसार वर्ष 2014-15 में विभाग से 1.42 रुपये प्रति यूनिट की औसत दर से बिजली खरीदारी की है और उसने उपभोक्ताओं से 5.85 रुपये प्रति यूनिट वसूला है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त कंपनी ने वर्ष 2014-15 में 10 लाख की पूंजी से दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के सहयोग से शुद्ध 82.97 लाख तथा वर्ष 2015-16 में 1 करोड़ 41.61 लाख शुद्ध लाभ अर्जित किया है तथा एसबीपीडीसीएल का इस कंपनी पर बकाया वर्ष 2014-15 में 31.2 करोड़ तथा 2015-16 में बढ़कर 71.45 करोड़ हो गया;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार इंडिया पावर कॉरपॉरेशन (बोधगया) लिमिटेड के साथ-साथ उसे फायदा पहुंचाने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई तथा उपभोक्ताओं को शोषण से मुक्त करना चाहेगी, यदि हां तो कबतक ?

मेडिकल कॉलेज खोलने पर विचार

* 30. **श्री राजकिशोर सिंह कुशवाहा** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिला के रीगा प्रखंड अंतर्गत रामनगरा जो जिला मुख्यालय से चार किलोमीटर की दूरी पर है के राम जानकी मठ की लगभग पच्चीस एकड़ जमीन में मेडिकल कॉलेज खोलने हेतु जिला पदाधिकारी की अनुशंसा धार्मिक न्यास परिषद् को प्राप्त है;

(ख) यदि खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार उक्त जमीन में मेडिकल कॉलेज खोलने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

दर्जा देने पर विचार

* 31. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि राज्य सरकार ने मंत्रिपरिषद् की स्वीकृति से पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में सर्जरी की लेप्रोस्कोपिक पद्धति इकाई का गठन किया था और इसके लिए चिकित्सकों/कर्मियों की नियुक्ति की गई थी;

(ख) क्या यह सही है कि लेप्रोस्कोपिक पद्धति सर्जरी की अत्याधुनिक विधि है और देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों में मिनीमली इनवैसिव सर्जरी के रूप में इसे सुपर स्पेशलिएटी में विकसित किया गया है लेकिन पीएमसीएच में अस्पताल प्रशासन द्वारा इसे सर्जरी इकाई में शामिल दिखाते हुए इसके उपकरणों/ऑपरेशन थियेटर आदि की समुचित व्यवस्था नहीं की जा रही है जिससे रोगियों को समुचित चिकित्सा की सुविधा नहीं मिल पाती है;

(ग) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य मंत्री ने बार-बार सदन को आश्वस्त किया है कि इसे सुपर स्पेशलिएटी विभाग के रूप में विकसित करते हुए इसका स्वतंत्र अस्तित्व बनाया जायेगा लेकिन उस आश्वासन का भी कार्यान्वयन नहीं सुनिश्चित किया जा रहा है और मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट को आघात पहुंचाया जा रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार लेप्रोस्कोपिक सर्जरी को मिनीमली इनवैसिव सर्जरी के रूप में विकसित करते हुए कबतक स्वतंत्र विभाग का दर्जा देने का विचार रखती है और इसे सुविधाओं से युक्त करना चाहती है?

रिक्त पदों पर भर्ती

***** 32. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि राजधानी पटना के कंकड़बाग स्थित मेडिलकल कॉलेज का एक महत्वपूर्ण अंग बिहार कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी एंड ऑक्युपेशनल थेरेपी अस्पताल, विकलांग भवन अस्पताल में मरीजों के लिए ना ही दवा और ना ही एक्स-रे की व्यवस्था है;

(ख) क्या यह सही है कि इस अस्पताल में मरीजों के लिए कृत्रिम अंग बनाने वाले सभी रिटायर हो गए जिससे गरीब और असहाय मरीजों को इस सुविधा से वंचित होना पड़ा है;

(ग) क्या यह सही है कि यहां टीचिंग में फिजियोथेरेपी एंड ऑक्युपेशनल थेरेपी के दो एसोसिएट, दो प्रोफेसर, नन टीचिंग में छह फिजियोथेरेपी, चार एक्युपेशनल थेरेपिस्ट एवं एक सहायक का पद रिक्त है;

(घ) क्या यह सही है कि सरकार और अस्पताल प्रशासन की लापरवाही के कारण राज्य के गरीब और बेबस मरीजों को किसी प्रकार की सुविधा नहीं दी जा रही है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पटना स्थित विकलांग भवन अस्पताल में मरीजों को दवा, एक्स-रे और चिकित्सकीय सुविधा तथा रिक्त पदों पर भर्ती कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

योजना का लाभ

***** 33. **श्री रजनीश कुमार** : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि रोजगार की तालाश कर रहे सूबे के बेरोजगार युवाओं के लिए प्रत्येक माह 1000 रुपये स्वयं सहायता भत्ता योजना सरकार द्वारा लागू की गई है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त योजना का लाभ सूबे के वैसे बेरोजगारों को नहीं मिलेगा जो कि बी.ए., एम.ए., पोलटेक्निक या उच्च शिक्षा प्राप्त कर रोजगार की तलाश में हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उच्च शिक्षा प्राप्त बेरोजगार छात्रों को स्वयं सहायता भत्ता योजना का लाभ देने का विचर रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

भवन बनवाने का विचार

*** 34. श्री सच्चिदानन्द राय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि छपरा जिलान्तर्गत प्रखंड लहलादपुर से अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र, कटैया किराए के मकान में चलता है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त केन्द्र को अपना भवन हेतु वहीं 17 कट्ठा जमीन उपलब्ध है लेकिन आज तक सरकारी भवन नहीं बनाया जा सका है;

(ग) क्या यह सही है कि डॉक्टर/नर्स की पदस्थापना रहने के बावजूद कोई भी समय से उपस्थित नहीं रहता है जिसके कारण मरीजों का इलाज नहीं हो पाता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार लापरवाह चिकित्सक पर कार्रवाई करते हुए उपलब्ध भूमि पर सरकारी भवन बनवाने का विचार रखती है, हां तो कबतक, यदि नहीं तो क्यों ?

जमीन अधिग्रहण नहीं

***** 35. **श्री सूरजनन्दन प्रसाद** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य सरकार द्वारा अगले छः-सात साल में सरप्लस स्टेट बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा अगले तीन साल में बिजली की खपत 10 हजार मेगावाट तक पहुंचने की संभावना है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य सरकार राज्य में बिजली आपूर्त्ति के मामले में 24 घंटे सातों दिन के कंसेप्ट की दिशा में काम कर रही है, परन्तु राज्य के अपनी उत्पादन इकाइयों में उत्पादन में काफी कमी है जिसमें बरौनी से अभी तक उत्पादन शुरू नहीं हुआ है, कफुरा, पीरपैंती प्रोजेक्ट

ठीक ढंग से प्रारंभ नहीं हुआ है। बांका का अल्ट्रा मेगा पावर प्लांट के लिए अभी तक जमीन अधिग्रहण नहीं हुआ है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बताना चाहती है कि बिजली उत्पादन में इकाइयों में स्टेट होने के लिए वित्तीय वर्ष 2016-17 में 16134 कार्ड यूनिट के लिए सरकार के पास कौन-सी योजना है ?

पटना
दिनांक 28 फरवरी, 2017 ई.

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्